







ॐ
भूर्भुवस्सुवः
तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गोदेवस्य धीमहि
धियो यो नः प्रचोदयात्

Saraj





Saroj

Saroj

स्वर्ण कला









Saroj



1001



1002



1003



1004



1004

